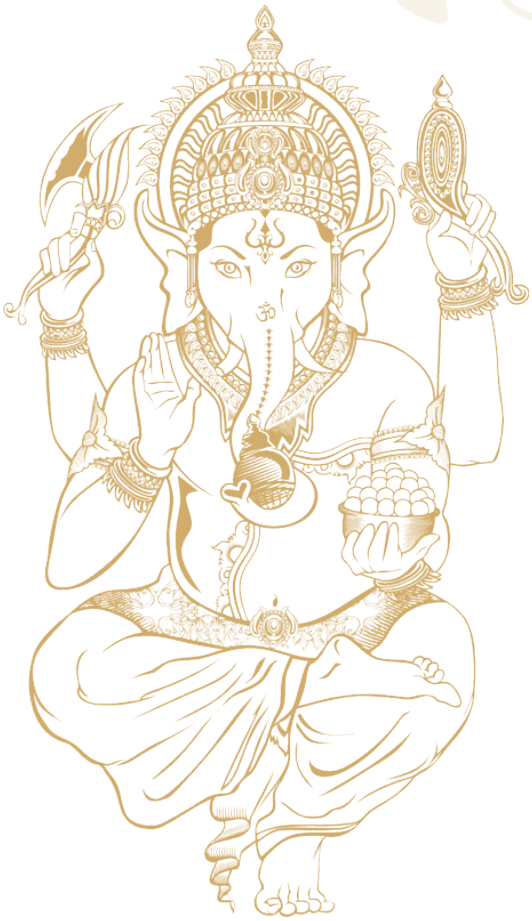

Sh.Hans

Ms.Jyoti

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119492801

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119492801 Date: 18/09/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
26/10/1986	जन्म तिथि	7-08/10/1982
रविवार	दिन	गुरु-शुक्रवार
घंटे 08:30:00	जन्म समय	01:15:00 घंटे
घटी 05:07:08	जन्म समय(घटी)	47:25:23 घटी
India	देश	India
Karauli	स्थान	Gwalior
26:30:00 उत्तर	अक्षांश	26:12:00 उत्तर
77:04:00 पूर्व	रेखांश	78:09:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:44	स्थानिक संस्कार	-00:17:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:27:08	सूर्योदय	06:12:22
17:45:01	सूर्यास्त	17:58:02
23:40:15	चित्रपक्षीय अयनांश	23:36:41
वृश्चिक	लग्न	कर्क
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	चन्द्र
कर्क	राशि	वृष
चन्द्र	राशि-स्वामी	शुक्र
पुष्य	नक्षत्र	रोहिणी
शनि	नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
3	चरण	4
साध्य	योग	व्यतिपात
कौलव	करण	गर
हो-होशियार	जन्म नामाक्षर	वू-वूली
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला
विप्र	वर्ण	वैश्य
जलचर	वश्य	चतुष्पाद
मेष	योनि	सर्प
देव	गण	मनुष्य
मध्य	नाड़ी	अन्त्य
मेष	वर्ग	मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 8वर्ष 3मा 16दि		04:31:32	वृश्चि	लग्न	कर्क	13:55:11	चन्द्र 0वर्ष 9मा 3दि	
शुक्र		08:43:38	तुला	सूर्य	कन्या	20:35:44	शनि	
10/02/2019		10:50:45	कर्क	चंद्र	वृष	22:19:14	11/07/2024	
10/02/2039		16:15:24	मक	मंगल	वृश्चि	18:47:05	12/07/2043	
शुक्र	12/06/2022	02:31:44	वृश्चि	बुध व	कन्या	09:50:35	शनि	15/07/2027
सूर्य	12/06/2023	19:35:57	कुंभ व	गुरु	तुला	19:20:11	बुध	24/03/2030
चन्द्र	10/02/2025	24:33:33	तुला व	शुक्र	कन्या	13:34:25	केतु	03/05/2031
मंगल	12/04/2026	14:02:26	वृश्चि	शनि	तुला	00:12:51	शुक्र	03/07/2034
राहु	12/04/2029	27:08:25	मीन व	राहु व	मिथु	14:27:51	सूर्य	15/06/2035
गुरु	12/12/2031	27:08:25	कन्या व	केतु व	धनु	14:27:51	चन्द्र	13/01/2037
शनि	10/02/2035	26:07:26	वृश्चि	हर्ष	वृश्चि	08:25:08	मंगल	22/02/2038
बुध	11/12/2037	09:49:46	धनु	नेप	धनु	00:56:20	राहु	29/12/2040
केतु	10/02/2039	13:25:25	तुला	प्लूटो	तुला	02:44:20	गुरु	12/07/2043

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:40:15 चित्रपक्षीय अयनांश 23:36:41

लग्न-चलित

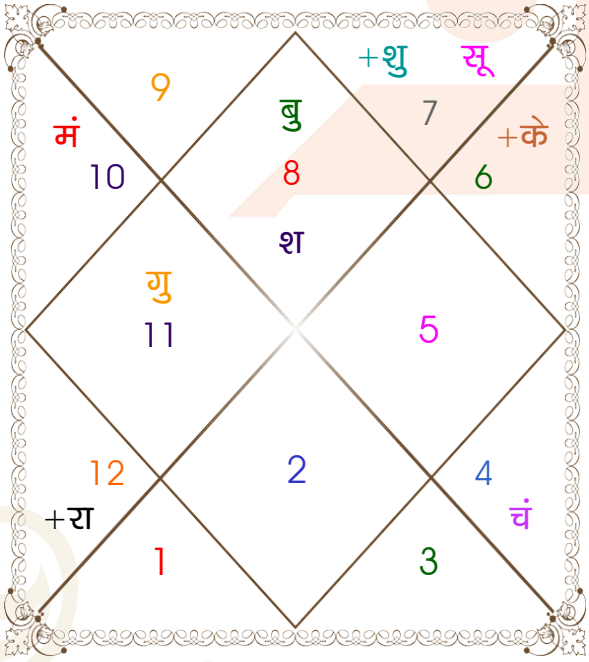

लग्न-चलित

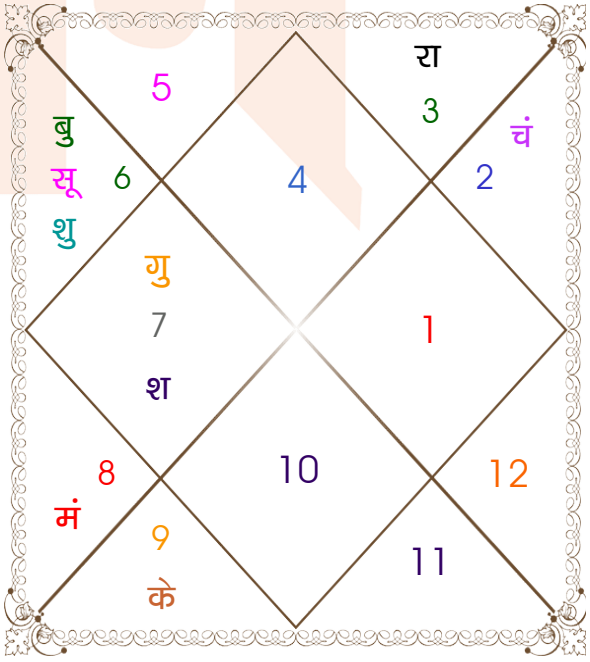

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

कुल : **27 / 36**

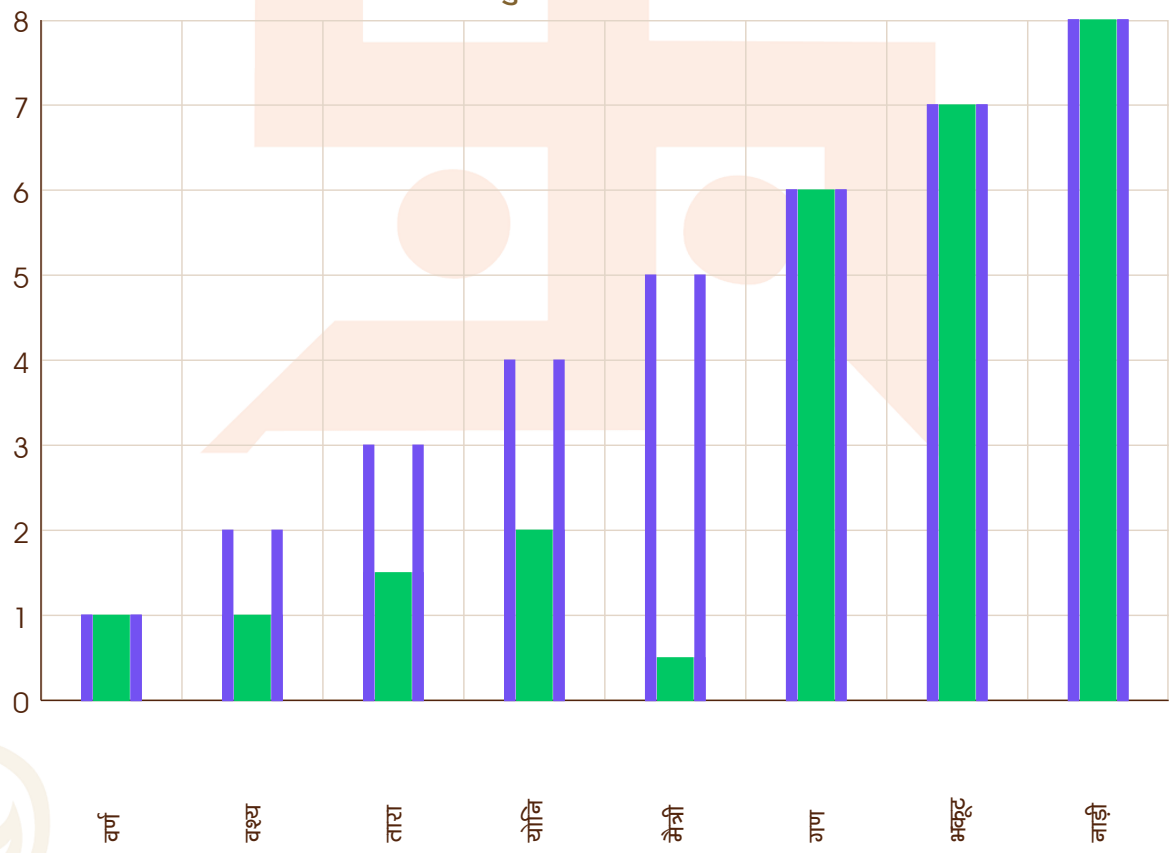

अष्टकूट मिलान

Sh.Hans का वर्ग मेष है तथा Ms.Jyoti का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Sh.Hans और Ms.Jyoti का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Sh.Hans मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Ms.Jyoti मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Sh.Hans तथा Ms.Jyoti में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Sh.Hans का वर्ण ब्राह्मण तथा Ms.Jyoti का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। Ms.Jyoti सदैव अपने पति तथा घर में बड़ों का सम्मान करेगी तथा उनकी आज्ञा का पालन करती रहेंगी। Ms.Jyoti मितव्ययी होंगी तथा बचत करके पैसे को लाभदायक उपादानों में निवेश करती रहेंगी।

वश्य

Sh.Hans का वश्य जलचर है एवं Ms.Jyoti का वश्य चतुष्पद है। अतः यह मिलान औसत मिलान ही है। जलचर एवं चतुष्पद सामान्यतः एक-दूसरे के लिए सम हैं। दोनों के बीच न ही प्रेम की भावना होगी और न ही शत्रुता तथा दोनों का प्रकृति में स्वतंत्र अस्तित्व रहेगा। कुंडली मिलान में दोनों के दृष्टिकोण, सोच एवं व्यवहार में पूर्णतः भिन्नता रहते हुए भी विवाह को स्वीकृति प्रदान की गयी है क्योंकि दोनों एक-दूसरे को किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचायेंगे तथा अपने-अपने तरीके से अपने कर्त्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

Sh.Hans की तारा प्रत्यरि तथा Ms.Jyoti की तारा साधक है। Sh.Hans की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। विवाह के उपरांत Sh.Hans कालांतर में बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं नैतिक पतन का शिकार हो सकता है। उसके अवैध संबंध भी हो सकते हैं। परिणामस्वरूप Ms.Jyoti को काफी कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। भविष्य में तनाव, निराशा, अवसाद एवं पीड़ा के कारण उसका झुकाव अध्यात्म की ओर हो सकता है।

योनि

Sh.Hans की योनि मेष है तथा Ms.Jyoti की योनि सर्प है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन

परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Sh.Hans का राशि स्वामी Ms.Jyoti के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Ms.Jyoti का राशि स्वामी Sh.Hans के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Sh.Hans का गण देव तथा Ms.Jyoti का गण मनुष्य है। अर्थात दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु Ms.Jyoti अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

भकूट

Sh.Hans से Ms.Jyoti की राशि एकादश भाव में स्थित है तथा Ms.Jyoti से Sh.Hans की राशि तृतीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Sh.Hans परिश्रमी, प्रिय, खुश तथा अपना हर कार्य को उत्साह से संपादित करने वाले होंगे। वह अपने परिवार, पड़ोसियों तथा पूरे समाज की आंखों का तारा होंगे। उनके अपनी पत्नी के साथ उसके संबंध अति मधुर होंगे। दूसरी ओर Ms.Jyoti हर गुण से परिपूर्ण होगी तथा पति के लिए सदैव सहायक होंगी। वह स्वयं भी व्यावसायिक गतिविधियों में लिप्त रहकर धन कमायेंगी। तथा घर के प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। साथ ही भविष्य के लिए बचत भी

करती रहेंगी।

नाड़ी

Sh.Hans की नाड़ी मध्य है तथा Ms.Jyoti की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह जीवन के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण अवयवों का समन्वय है। अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ काया एवं अच्छे यौन जीवन के लिए वात, पित्त एवं कफ का शरीर में संतुलन आवश्यक है। जिसके कारण Sh.Hans एवं Ms.Jyoti के बीच साहचर्य, सुख एवं समृद्धि की वृद्धि तथा उन्हें अच्छे, स्वस्थ एवं आज्ञाकारी संतान प्रदान होगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Sh.Hans की जन्मराशि जलतत्व कर्क तथा Ms.Jyoti की राशि भूमितत्व युक्त वृष है। जल एवं भूमि तत्व के मध्य नैसर्गिक रूप से मित्रता का भाव रहता है। इसके प्रभाव से Sh.Hans और Ms.Jyoti के मध्य स्वाभाविक समानताएं रहेंगी। अतः वे परस्पर प्रेमपूर्वक रहकर अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

Sh.Hans की राशि का स्वामी चन्द्रमा तथा Ms.Jyoti की राशि का स्वामी शुक्र परस्पर शत्रु एवं समराशियो में पड़ते है। अतः इसके प्रभाव से Sh.Hans और Ms.Jyoti के मध्य संबंधों में मित्रता के भाव की अल्पता रहेगी तथा कटुता एवं मतभेदों की प्रबलता रहेगी। साथ ही एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा करेंगे तथा कमियों पर विषेश ध्यान देकर विवाद तथा मतभेदों में वृद्धि करेंगे जिससे दाम्पत्य जीवन के सुख में न्यूनता का आभास होगा।

Sh.Hans एवं Ms.Jyoti की राशियां परस्पर एकादश एवं तृतीय भाव में पड़ती हैं। यह एक शुभ भकूट है जिसके प्रभाव से परस्पर सुख सहयोग एवं स्नेह के भाव में वृद्धि होगी तथा उपरोक्त अशुभ प्रभावों में भी न्यूनता का भाव रहेगा। Ms.Jyoti एक आत्मविश्वासी महिला होंगी तथा Sh.Hans का नैतिक सहयोग उनको हमेशा मिलता रहेगा इसके परस्पर विवादों में न्यूनता आएगी तथा प्रसन्नतापूर्वक अपना दाम्पत्य जीवन व्यतीत करने में समर्थ रहेंगे।

Sh.Hans का वश्य जलचर तथा Ms.Jyoti का वश्य चतुष्पद है। सामान्यतया जलचर एवं चतुष्पद में नैसर्गिक रूप से समता एवं मित्रता का भाव होता है। अतः Sh.Hans और Ms.Jyoti की अभिरूचियों में समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं समान रहेंगी। जिससे दोनों एक दूसरे को कामभावनाओ में भी सन्तुष्ट एवं प्रसन्न रखने में सफल होंगे

Sh.Hans का वर्ण ब्राह्मण तथा Ms.Jyoti का वर्ण वैश्य है। Sh.Hans की रूचि शैक्षणिक सामाजिक तथा धार्मिक कार्यो के प्रति रहेगी परन्तु Ms.Jyoti हमेशा धनार्जन संबंधी कार्य करेगी तथा व्यापारिक बुद्धि से अपने कार्यो को सम्पन्न करने में प्रवृत रहेगी।

धन

Sh.Hans और Ms.Jyoti की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः इसका आर्थिक स्थिति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा तथा सामान्य रूप से धन तथा लाभ प्राप्त करने में दम्पति सफल होंगे। Sh.Hans एवं Ms.Jyoti की राशि परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से Sh.Hans और Ms.Jyoti की आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता तथा सम्पन्नता में वृद्धि होगी तथामंगल का प्रभाव भी शुभ ही रहेगा। अतः आय स्रोतों में वृद्धि होगी।

Sh.Hans को लाटरी या सट्टे आदि के द्वारा अचानक धन की प्राप्ति हो सकती है या

किसी अन्य स्रोत से एक साथ प्रचुर मात्रा में लाभ के योग बनेंगे। इस प्रकार Sh.Hans और Ms.Jyoti धनऐश्वर्य से युक्त होकर अपना समय व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

स्वास्थ्य

Sh.Hans की नाड़ी मध्य तथा Ms.Jyoti की नाड़ी अंत्य है। अतः दोनों की अलग अलग नाड़ियां होने के कारण ये नाड़ी दोष से मुक्त रहेंगे। इसके प्रभाव से Sh.Hans और Ms.Jyoti दोनों का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा परिश्रम एवं पराक्रम से वे अपने सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को यथा समय सम्पन्न करने में समर्थ रहेंगे। इससे दाम्पत्य जीवन में खुशहाली तथा सन्तुष्टि बनी रहेगी। साथ ही मंगल का भी किसी के स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं रहेगा। अतः उत्तम दाम्पत्य जीवन को व्यतीत करने की दृष्टि से यह मिलान अनुकूल रहेगा तथा Sh.Hans और Ms.Jyoti सुख एवं आनंद पूर्वक अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

संतान

संतति की दृष्टि से Sh.Hans और Ms.Jyoti का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से Sh.Hans और Ms.Jyoti को उचित समय पर संतति प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार से विलम्ब या व्यवधान नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उचित मात्रा में उनका पालन पोषण करने का अवसर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त Sh.Hans और Ms.Jyoti के पुत्र एवं कन्याओं की संख्या बराबर रहेगी।

Ms.Jyoti का प्रसव सामान्य रूप से होगा तथा इसमें उन्हें किसी भी प्रकार से परेशानी या कष्ट का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही किसी प्रसूति संबधी चिकित्सा की भी आवश्यकता नहीं रहेगी। अतः Ms.Jyoti के मन में इसके प्रति जो अनावश्यक भय या चिन्ताएं रहती है उसको दूर कर देना चाहिए तथा नियमित रूप से गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण करवाने चाहिए। इस प्रकार Ms.Jyoti सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा स्वयं भी शांति तथा स्वस्थता की अनुभूति करेंगी।

बच्चों के द्वारा Sh.Hans और Ms.Jyoti को पूर्ण सन्तुष्टि मिलेगी तथा अपनी योग्यता बुद्धिमता एवं व्यवहार कुशलता से वे अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे यद्यपि माता पिता के वे आज्ञाकारी रहेंगे तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथापि माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव तथा सम्मान का भाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा पालन करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इस प्रकार Sh.Hans और Ms.Jyoti का पारिवारिक जीवन सुख तथा शांति से पूर्ण रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

ससुराल-सुश्री

Ms.Jyoti के अपनी ससुराल के लोगों से संबधों में वांछित मधुरता रहेगी परन्तु यदा कदा सास से कुछ मतभेद रहेगा जिससे उनके साथ सामंजस्य स्थापित करने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथापि यदि Ms.Jyoti धैर्य एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो सास की सहानुभूति प्राप्त हो सकती है।

ससुर देवर एवं ननदों से Ms.Jyoti के संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे वांछित स्नेह एवं सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। ससुर की सुख सविधा एवं आराम का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा वे भी उसकी सेवा भावना से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवर एवं ननद से भी Ms.Jyoti का व्यवहार मित्रता पूर्ण रहेगा तथा वे भी Ms.Jyoti से प्रसन्न रहेंगे। इस प्रकार वह ससुराल के लोगों से सामंजस्य स्थापित करके आनंदानुभूति प्राप्त करेंगी।

ससुराल-श्री

Sh.Hans के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को Sh.Hans अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी Sh.Hans के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Sh.Hans के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।